संगीत में स्नातक(बी0ए0)

<u>उद्देश्य</u> - इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय शास्त्रीय संगीत का प्रारम्भिक ज्ञान(सैद्धांतिक एवं प्रयोगत्मक पक्ष) देकर उनमें शास्त्रीय संगीत के ज्ञान की नींव डालना है।

प्रथम सेमेस्टर हेतु माइनर कोर्स का पाठ्यक्रम

क्र0 सं0	कोर्स शीर्षक	कोर्स कोड	अंक	श्रेयांक
1.	**भारतीय संगीत का परिचय एवं सिद्धांत I एवं प्रयोगात्मक**	**BAMM(N)-120**	**100**	**4**
प्रथम खंड	**भारतीय संगीत का परिचय एवं सिद्धान्त** I		**50**	**2**
	इकाई 1 - भारतीय संगीत की अवधारणा।			
	इकाई 2 - भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास |			
	इकाई 3 - परिभाषा (श्रुति, स्वर, सप्तक, वर्ण , अलंकार, राग, आलाप, लय, लयकारी, मात्रा, ताल, ठेका, आवर्तन, सम, ताली, खाली व विभाग)।			
	इकाई 4 - संगीतज्ञों का जीवन परिचय (पं0 वी0एन0 भातखण्डे, पं0 वी0 डी0 पलुस्कर व सदारंग-अदारंग) |			
	इकाई 5 - भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति का परिचय ; राग यमन का परिचय एवं छोटा ख्याल/ रज़ाखानी गत को तानों/तोड़ों सहित लिपिबद्ध करना।			
	इकाई 6 - भातखण्डे ताललिपि पद्धति का परिचय ; तीनताल के ठेके एवं उसको दुगुन लयकारी सहित लिपिबद्ध करना।			
द्वितीय खण्ड	**प्रयोगात्मक**		**50**	**2**
	इकाई 7 – राग यमन का परिचय|			
	इकाई 8 – राग यमन में छोटा ख्याल/ रज़ाखानी गत, तानों/तोड़ों सहित |			
	इकाई 9 – तबले के वर्ण एवं उनकी वादन विधि।			
	इकाई 10- तबले के बोल एवं उनकी वादन विधि|			
	इकाई 11– तीनताल का ज्ञान।			
	इकाई 12- तीनताल की पढन्त।			
	इकाई 13 - तीनताल के ठेकों को ठाह व दुगुन लयकारी में पढ़ना।			
	इकाई 14- हारमोनियम वादन का प्रारम्भिक ज्ञान|			
	इकाई 15- पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा।			

राग- यमन, *ताल – तीनताल*